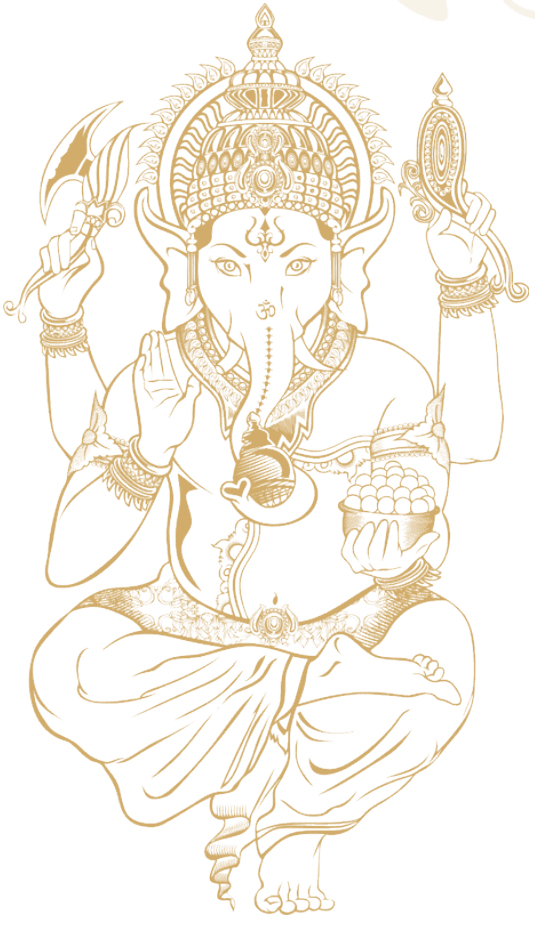

Harsh mistry

31 Jul 2000

12:05 PM

Surat

Model: web-freekundliweb

Order No: 120951406

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/07/2000**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**12:05:00 घंटे**
इष्ट	14:42:24 घटी
स्थान	**Surat**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	21:10:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:26:20 घंटे
वेलान्तर	-00:06:22 घंटे
साम्पातिक काल	08:03:07 घंटे
सूर्योदय	06:12:02 घंटे
सूर्यास्त	19:17:37 घंटे
दिनमान	13:05:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	14:29:49 कर्क
लग्न के अंश	04:38:26 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सिद्धि
करण	किंस्तुघ्न
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डी-डीगेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	04:38:26	329:32:16	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	14:29:49	00:57:25	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	16:56:37	15:02:56	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	स्वराशि
मंगल		अ	कर्क	05:37:56	00:38:53	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	नीच राशि
बुध			मिथु	25:23:08	01:16:35	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	स्वराशि
गुरु			वृष	11:57:55	00:09:49	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	28:11:54	01:13:48	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
शनि			वृष	05:30:24	00:04:17	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु	व		कर्क	00:45:52	00:00:45	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		मक	00:45:52	00:00:45	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	25:25:07	00:02:20	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
नेप	व		मक	11:13:38	00:01:38	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
प्लूटो	व		वृश्चि	16:24:16	00:00:39	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	04:47:24	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:40

लग्न-चलित

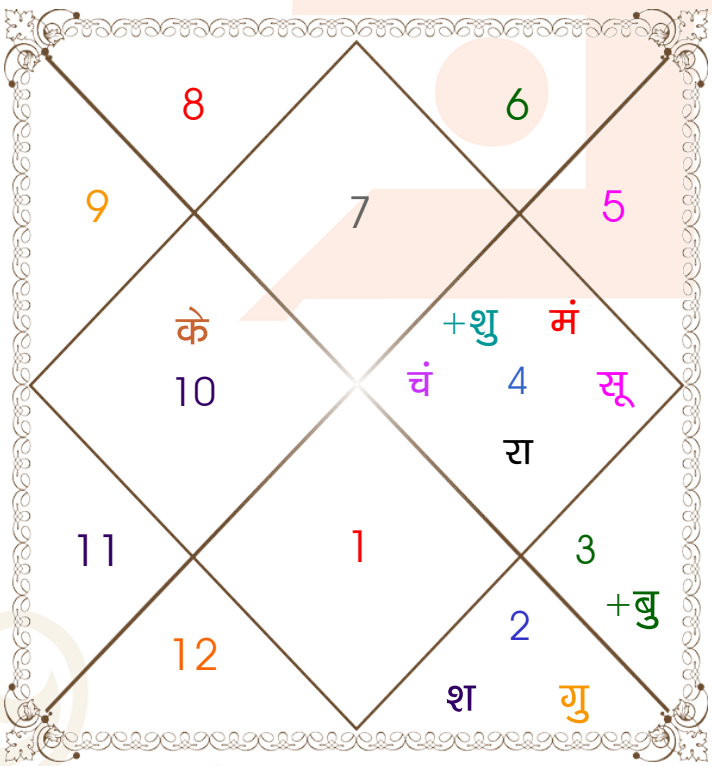

चन्द्र कुंडली

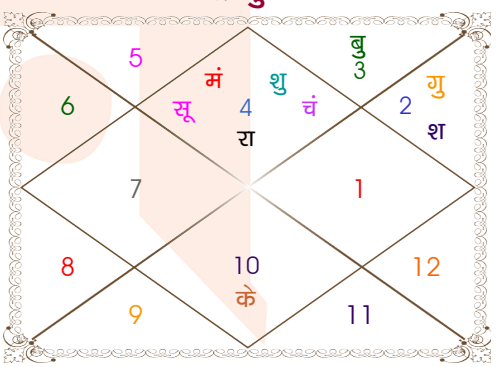

नवमांश कुंडली

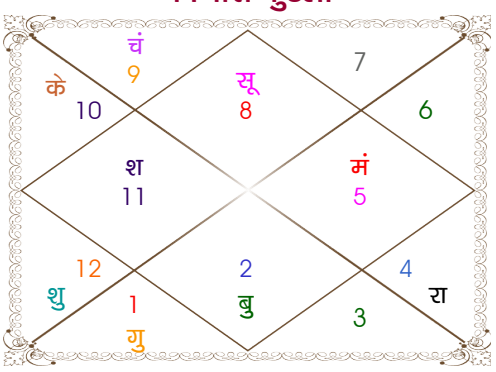

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 16 वर्ष 7 मास 23 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
31/07/2000		24/03/2017		24/03/2024		24/03/2044		25/03/2050	
24/03/2017		24/03/2024		24/03/2044		25/03/2050		24/03/2060	
बुध	21/08/2002	केतु	20/08/2017	शुक्र	25/07/2027	सूर्य	12/07/2044	चंद्र	23/01/2051
केतु	18/08/2003	शुक्र	21/10/2018	सूर्य	24/07/2028	चंद्र	10/01/2045	मंगल	24/08/2051
शुक्र	18/06/2006	सूर्य	25/02/2019	चंद्र	25/03/2030	मंगल	18/05/2045	राहु	22/02/2053
सूर्य	24/04/2007	चंद्र	26/09/2019	मंगल	25/05/2031	राहु	12/04/2046	गुरु	24/06/2054
चंद्र	23/09/2008	मंगल	23/02/2020	राहु	24/05/2034	गुरु	29/01/2047	शनि	23/01/2056
मंगल	20/09/2009	राहु	12/03/2021	गुरु	22/01/2037	शनि	11/01/2048	बुध	24/06/2057
राहु	08/04/2012	गुरु	16/02/2022	शनि	24/03/2040	बुध	16/11/2048	केतु	23/01/2058
गुरु	15/07/2014	शनि	28/03/2023	बुध	23/01/2043	केतु	24/03/2049	शुक्र	23/09/2059
शनि	24/03/2017	बुध	24/03/2024	केतु	24/03/2044	शुक्र	25/03/2050	सूर्य	24/03/2060

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
24/03/2060		25/03/2067		24/03/2085		25/03/2101		25/03/2120	
25/03/2067		24/03/2085		25/03/2101		25/03/2120		00/00/0000	
मंगल	20/08/2060	राहु	05/12/2069	गुरु	12/05/2087	शनि	28/03/2104	बुध	01/08/2120
राहु	08/09/2061	गुरु	30/04/2072	शनि	23/11/2089	बुध	06/12/2106		00/00/0000
गुरु	15/08/2062	शनि	06/03/2075	बुध	29/02/2092	केतु	15/01/2108		00/00/0000
शनि	23/09/2063	बुध	23/09/2077	केतु	04/02/2093	शुक्र	17/03/2111		00/00/0000
बुध	20/09/2064	केतु	11/10/2078	शुक्र	06/10/2095	सूर्य	27/02/2112		00/00/0000
केतु	16/02/2065	शुक्र	11/10/2081	सूर्य	24/07/2096	चंद्र	27/09/2113		00/00/0000
शुक्र	18/04/2066	सूर्य	05/09/2082	चंद्र	23/11/2097	मंगल	06/11/2114		00/00/0000
सूर्य	24/08/2066	चंद्र	06/03/2084	मंगल	30/10/2098	राहु	12/09/2117		00/00/0000
चंद्र	25/03/2067	मंगल	24/03/2085	राहु	25/03/2101	गुरु	25/03/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 16 वर्ष 7 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।